



SHRI P. KALYANASUNDARAM

Shri P. Kalyanasundaram is the Founder President of an NGO named Anbu Paalam. He is widely recognised across the world for his role in serving the poor and needy that laid the foundation for empowering through education and health.

2. Born on May 10th, 1940, Shri Kalyanasundaram received his B.A. (Tamil) from the Madurai Thyagrajar College. He studied Certificate course in Library Studies from Madras University in the year 1963 and started his career as Librarian of Tuticorin Sri Vaikundam Kumarakurubarar Arts College since August 25, 1963. He donated the entire salary to the beneficiaries and worked as a server in a hotel for personal needs.

3. During service, Shri Kalyanasundaram obtained many Degrees by correspondence course. In 1995, Goa University awarded him as India's Best Librarian. In 1996, Jawaharlal Nehru University (JNU), Delhi honoured him as 'one among 10 best Librarians in the world'. In 1997, Cambridge University conferred him with the title "The most notable intellectual in the world".

4. Shri Kalyanasundaram established Anbu Paalam on August 15, 1953 at the age of 14. After retirement, since 1998, he renders yeomen service vigourously.

United States of America awarded him 'Man of the Millennium' with 6.5 million Dollars. He donated entire 35 crores for the welfare of poor children. In 2002, United Nation honoured him as 'One Among 20 Unmatchable Achievers' of the 20th Century.

5. In 2013, Dr. A P J Abdul Kalam presided over the Diamond Jubilee function of Anbu Paalam and addressed among students as "Make Paalam Ayya as their Role Model". Biography of Shri Kalyanasundaram has been published in Tamil, English and Kannada and shortly, it is being translated into other Indian Languages.



श्री पा. कल्याणसुन्दरम

श्री पा. कल्याणसुन्दरम अन्बु पालम नामक एक गैर सरकारी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष हैं। उन्हें पूरी दुनिया में गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा में उनकी भूमिका के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है जिससे उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से सशक्तीकरण की नींव रखी।

2. 10 मई, 1940 को जन्मे, श्री कल्याणसुन्दरम ने मदुरै त्यागराजर कॉलेज से बीए (तमिल) डिग्री प्राप्त की। उन्होंने वर्ष 1963 में मद्रास विश्वविद्यालय से लाइब्रेरी स्टडीज में सर्टिफिकेट कोर्स किया और 25 अगस्त, 1963 से तूतीकोरिन श्री वैकुंठम कुमारकुरुबरार आर्ट्स कॉलेज में लाइब्रेरियन के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने जरूरतमंद लोगों को अपना पूरा वेतन दान कर दिया और अपनी जरूरतों के लिए एक होटल में सर्वर के रूप में काम किया।

3. श्री कल्याणसुन्दरम ने अपने सेवाकाल के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा अनेक डिग्रियां प्राप्त कीं। 1995 में, गोवा विश्वविद्यालय ने उन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ लाइब्रेरियन के रूप में सम्मानित किया। 1996 में, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली ने उन्हें 'दुनिया के 10 सर्वश्रेष्ठ लाइब्रेरियनों में से एक' के रूप में सम्मानित किया। 1997 में, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने उन्हें "दुनिया के सबसे उल्लेखनीय प्रबुद्ध व्यक्ति" की उपाधि से सम्मानित किया।

4. श्री कल्याणसुन्दरम ने 15 अगस्त, 1953 को अन्बु पालम की स्थापना की। उस समय उनकी आयु 14 वर्ष की थी। सेवानिवृत्ति के बाद, 1998 के बाद से, वह पूरी शक्ति से निःस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने उन्हें 6.5 मिलियन डॉलर वाले 'मैन ऑफ द मिलेनियम' पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने गरीब बच्चों के कल्याण के लिए पूरे के पूरे 35 करोड़ रुपये दान कर दिए। 2002 में, संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें 20वीं शताब्दी के '20 अद्वितीय उपलब्धिकर्ताओं में से एक' के तौर पर सम्मानित किया।

5. 2013 में, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अन्बु पालम के हीरक जयंती समारोह की अध्यक्षता की और विद्यार्थियों से कहा कि वे "पालम अय्या को अपना रोल मॉडल बनाएं"। श्री कल्याणसुन्दरम की जीवनी तमिल, अंग्रेजी और कन्नड़ में प्रकाशित की गई है और शीघ्र ही इसका अनुवाद दूसरी भारतीय भाषाओं में किया जाएगा।